Written Answers

2	n
ĸ	х
 Э	σ

	Statement									
		Price of coal a 17-10-71 i.e. b take-over		Exist ng ]	Price	Percenta crease	ge in-			
		Rs.		Rs.						
L. Coming South	รแาว	y tə Hindəsta	s Steel, 1 Projec		poration	and Durgapus	·			
Special Steel Grade		45.00		86.45		92.11				
Steel Plant Grade I		42:09		84.04		99-67				
Steel Plant Grade II		39.87		$81 \cdot 82$		$104 \cdot 97$				
Washery Grad > I		38·48		60.43		57.04				
Washery Grads II (A)	••	37.35		59-30		58.77				
Washery Grade II(B)		36.23		$58 \cdot 18$		60.59				
Washery Grade HI(A)		35.73		57-68		61 43				
Washery Grade III(B)	• •	35-23		57.18		62-30				
Washery Grade IV (A)		34 · 23		56·18		64 18				
Washery Grade IV (B)		$33 \cdot 23$		55.18		66.05				
Washery Grade V(A)	•••	31-73		53.68		69-18				
Washery Grade V(B)	• •	30-23		$52 \cdot 18$		72.61	a - 2			
		11. N	on-coki	ng coal						
		Steam	Slack	Steam	Slack	Steom	Slack			
Grade I	••	$34 \cdot 26$	$33 \cdot 23$	42.00	39.00	22.59	$17 \cdot 36$			
Grade II	· · ·	31.25	29.00	38.00	35.00	21.60	20.69			
Grade IIIA		$28 \cdot 75$	26.50	35.89	32.62	24 83	23.19			
Grade IIIB		$27 \cdot 50$	$25 \cdot 00$	$34 \cdot 74$	$31 \cdot 45$	26-33	25.80			

The prices curre ally changed for coking coal supplied to private actor steel plants is. Rs.0. 30 per tonne more in all grades.

# सरकारी क्षेत्र के भारी श्रीद्योगिक एकक

# 312. आ) प्रकाशवीर शास्त्री :

श्री भैरों सिंह शेखावत :

क्याभारी उद्योग मंत्री यह बताने की क्रुपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र में ऐसे भारी ग्रौद्योगिक एककों के नाम क्या हैं जो घाटे पर चल रहे हैं;

(ख) इनमें से प्रत्येक एकक को अब तक कुल कितना-कितना घाटा उठाना पड़ा है ;

(ग) इनमें से प्रत्येक एकक की निर्धारित क्षमता कितनी-कितनी है और इस समय वे कितनी-कितनी क्षमता पर कार्य कर रहे हैं; और

(घ) इन एककों के कार्यकरण को सुधारने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाये हैं क्रौर उनके क्या परिणाम निकले ?

# †[Public sector heavy industry units

# 312. SHRI PRAKASH VIR SHASTRI: SHRI B. S. SHEKHAWAT:

Will the Minister of HEAVY INDUSTRY 5e pleased to state:

(a) the names of heavy industrial units n public sector which are suffering losses;

(b) the total loss suffered so far by each )f these units;

(c) what is the rated capacity of these mits, unit-wise, and at what capacity they ire working at present; and

(d) what steps Government have taken to improve the working of these units and with what results?]

**†**[ ] English translation.

89

भारी उद्योग मंत्रालय में उप-मंत्री (भी दलवीर सिंह): (क) भारी उद्योग मंत्रालय के प्रणासनिक नियंत्रण में आने वाली निम्न-लिखित भारी इंजीनियरी परियोजनाग्रों को वर्ष 1973-74 की अवधि में हानियां हुई :-

1. हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन ;

2. भारत हेवी प्लेट एण्ड वैसेल्स लिमिटेड;

3. तिवेणी स्टुक्चरल्स लिमिटेड ;

4. भारत पम्प एण्ड कम्प्रेणर्सं लिमिटेड ;

5. जेसप एण्ड कंपनी ;

to Questions

6, ग्रेशम एण्ड केवन;

7. ग्रेथवेट एण्ड कंपनी ;

 मणीन टूल्स कारपोरेशन ग्राफ इंडिया लिमिटेड ।

(ख) उपरलिखित प्रत्येक एकक को वर्ष 1973-74 की ग्रवधि में हुई हानियां ग्रौर वर्ष 1972-73 के ग्रन्त तक संचित हानि निम्नलिखित तालिका में दी गई है । वर्ष 1973-74 से संबंधित हानि के ग्रांकड़े ग्रस्थायी हैं । क्योंकि ग्रभी तक इस वर्ष के लिये इन कंपनियों के लेखों की लेखा परीक्षा नहीं हुई है ।

(करोड़ रुपये में)

क्रम सं∘		परियोजना	वर्षे 1972– 73 के ग्रंत तक संचित हानि	1973–74 की खबधि में हुई हानि (ग्रस्थायी)	योग
	ì	हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन	105.76	8.00	113.76
	2	भारत हेवी प्लेट एंड वैसेल्स	3.99	0.30	4.29
	3	विवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड	2.40	0.30	2.70
	4	भारत पम्पस एण्ड कैम्प्रेशर्स लिमिटेड	उत्पादन नहीं हो रहा है	0.32	0.32
	5	जैसेप्स	14.65	4.32	18.97
	6	ग्रेशम एण्ड केवन	1.51	0.22	1.73
	7	<u>ब्रेथवेट</u> स	12.26	5.12	17.78
	8	मशीन टूल्स कारपोरेखन म्राफ इंडिया	0.93	0.28	1.21
		योग	141.50	18.86	160.36

(ग) एक बिवरण संलग्न है।

(घ) इस मंत्रालय के नियंत्रण में ग्राने वाले भारी इंजीनियरी एककों की क्षमता का ग्रौर ग्रधिक उपयोग करने के लिये कई कदम उठाये गये हैं। इनमें एककों के प्रबंध का पुनर्गंठन ग्रौर

व्यवसायीकरण एककों ढारा निर्मित उपकरणों का मानकीकरण, उत्पाद मिश्र को युक्ति-युक्त श्रौर विविधीक्रुत बनाना, डिजाइन क्षमताय्रों का सुदृढ़ बनाना, अधिकतम उपयोग के लिये दुर्लभ कच्ची सामग्री का ग्रंत : संयंत स्थानांतरण करने हेतु वस्त-सूची स्तरों पर ग्रोर अधिक ग्रच्छा

नियंत्रण, ग्रौर सुरक्षात्मक रख रखाव को ग्रौर ग्रधिक मजबुत बनाना सम्मिलित है । उत्पादन में होने वाली कठिनाइयों का पता लगाने के लिये संयंत्र स्तर पर विस्तृत ग्रध्ययन भी किये जा रहे हैं । इन ग्रध्ययनों के फलस्वरूप विभिन्न एककों में कछ ग्रतिरिक्त सविधाएँ बढाने के लिये कार्य-कम ग्रायोजित किये गये हैं। ये कार्यकम पांचवीं पंच-वर्षीय योजना के लिये लागू किये गये हैं ग्रौर इनका उद्देश्य कम से कम समय में न्युनतम लागत पर ग्रतिरिक्त सविधाएं जुटाना है मंत्रालय ने (1) ससांधनों के ग्रावंटन (2) कार्य संचालन योजनायें ग्रौर समय तालिकायें (3) नई परयोजनाम्रों की प्रगति की समीक्षा करने और जानकारी का विश्लेषण करने की निस्तर योजनायें चलाने (5) (क) नियंत्रण और (ख) मासिक और विमासिक रिपोर्टों के जरिये कार्यों को चलाने श्रौर उनका मुल्यांकन

करने के लिये एक सूचना प्रणाली भी तैयार की है, जिससे उपयुंक्त बातों के विषय में की ध्र ही निर्णय किये जा सकते हैं ।

कुछ एकक जैसे जेसप्स, ब्रेथवेट्स ग्रौर ग्रेंगम एण्ड केवन सरकार ने हाल ही में अपने अधिकार में ले लिये हैं क्योंकि ये रूण एकक थे ग्रौर उनके उत्पादन में वांछित स्तर तक वृद्धि करने में कुछ समय लगेगा । मंग्रीन टूल कारपोरेशन आफ इंडियां ने अप्रैल, 1970 में उत्पादन प्रारंभ किया है ग्रौर भारत पंप एण्ड कम्पेगर्स ने इसी वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन करना प्रारंभ किय है । भारी इंजीनियरी एककों के पनपने की ग्रवधि भी लम्बी होती है । वर्ष 1972–73 की तुलना में वर्ष 1973–74 में इन एककों के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है, जैसा नीचे सारणी में दिया गया है :-

(रु० करोड़ों में)

उत्पा	বন	वृद्धि का
1972-73	1973-74	प्रतिशत
49.00	62.42	27%
4.60	8.82	92%
2.80	5.50	61%
उत्पादन भुरू नहीं	0.067	-
16.20	24.03	48%
0.84	1.05	26%
8.90	11.05	24%
1.10	1.51	37%
	1972-73 49.00 4.60 2.80 उत्पादन मुरू नहीं 16.20 0.84 8.90	4.60 8.82   2.80 5.50   उत्पादन भुरू 0.067   नहीं 16.20 24.03   0.84 1.05   8.90 11.05

वर्ष 1974-75 में पर्याप्त रूप से ग्रधिक उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किन्तु भारी इंजीनियरी एककों में क्षमता का ग्रधिक उपयोग काफी हद तक उनके निर्मा'T^FT कम के अनुरूप समय पर कयादेशों के मिलने वांछित,

मानकीकरण के प्रारंभ करने, कच्चे माल की समय पर उपलब्धता विशेषरूप से इस्पात की उपलब्धता, परिवहन के लिये वैगनों की निरन्तर उपलब्धता और बिजली की उपलब्धता और स्थायी और सदभावनापूर्ण श्रमिक संबंधों पर निर्भर करेगा ।

91

94

# विवरण भारी उद्योग मंत्रालय सरकारी क्षेत्र के एकक लाइसेंस प्राप्त क्षमता

कमांक वास्तविक उत्पादन के एकक 1973-74 अनुसार वार्षिक क्षमता में प्रत्यक्ष रूप में क्षमता के उपयोग की प्रतिजनता 1 भारी इंजीनियरी निगम भारी मशीन निर्माण संयंत भारी मणीन निर्माण संयंत (संरचनात्मक) 20,000 मी टन 48.8 भारी मशीन निर्माण संयंत्र (यांत्रिक) 64,000 मी टन 51.2 फाऊंड्री फोर्ज प्लांट 66,400 मी बन 46.5 भारी मशीनी ग्रौजार संबंब भारी मशीनी श्रौजार 96 एम सी 37.7 2 भारत हेवी प्लेट एण्ड बेसल्स लि 0 हेवी प्लेट एण्ड वेसल्स 24,000 मी टन 44.5 3 विवेणी स्टुक्चरल लिमिटे*ड* केनें, ढांचा निर्माण ग्रादि 17,000 मी टन 75.8 4 भारत पम्प एण्ड कन्प्रेशर्स लिमिटेड सेंट्रीफ्यूगल पष्प 660 नग अभी उत्पादन रेसिप्रोकेटिंग पम्प 65 नग शुरू नहीं रेसिप्रोकेटिंग कम्प्रेशर्स 60 नग हुग्रा । सिलेन्डर 100,000 नग 5 जेसप एण्ड कम्पनी लिमटेड स्ट्रक्चरल 6,000 मी टन 35.4 रोड रोलर 480 नग 222.7 केनें 3,500 मी टन 76.6 रेलवे वैगन 2,100 चार पहिए वाले 42.0 एम० जी० कोच 300 नग 21.3 ई० एम० यू० कोच 363/सी य् 50.0

95	Written. Answers	[RAJYA SABHA] to Qu	uestions 96
कम	कि एक क	वास्तविक उत्पादन के अनुसार वार्षिक क्षमता	1972−74 मॅप्रत्यक्ष रूप मॅक्षसता के उपयोग की प्रति≲तता
	6 ग्रेशलम एण्ड केवन		
	उपकरण और मालगा <b>ड़ी</b> के हिस्से	ते-पुर्जे 11,340 नग	48.6
	7 <b>ब्रेथवेट एण्ड कम्प</b> नी		
	<del>ग</del> लाइव वक्सं		
	भारी इस्पाती ढांचा निर्माण	16,000 मी टन	19.5
	प्रेस्ड स्टील टैंक प्लेट	25,000 नग	40.8
	रेलवे वैगन्	3,500_4 पहिए वाले	65.0
	ग्रंग्स वर्क्स	*	
	ढुलाई, गढ़ाई ग्रौर मशीन शाप	1,000 मी टन	163.8
	रोड रोलर	200 नग	32.2
	जूट कार्ड, रोल फार्मर और फीडा	र 170 नग	100.0
	केने	120 नग	-
	8 मशीन टूल कारपोरेशन आफ इंग्	डेया	
	मगीनी ग्रौजार तथा मेटल वर्किंग	मञीनरी 170 नग	73.8

f[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI DALBIR SINGH): (a) The following heavy engineering projects under the administrative control of the Ministry of Heavy Industry suffered losses during 1973-74:—

- 1. Heavy Engineering Corporation;
- 2. Bharat Heavy Plate & Vessels Ltd;
- 3. Triveni Structural Ltd; t[ ]

English translation.

- 4. Bharat Pumps & Compressors Ltd;
- 5. Jessop & Co.;
- 6. Gresham & Craven Ltd;
- 7. Braithwaite & Co.;
- 8. Machine Tools Corporation of India Ltd;

(b) The following table indicates the losses incurred during 1973-74 and the accumulated loss upto the end of 1972-73 in respect of

each of the above units. The figures relating the accounts of the companies have not to losses during 1973-74 are provisional as been audited as yet:

Serial No.	Project				Acoumulated loss upto the end of 1972-73	Loss during 1973-74 (Provisional)	Tota}
1	H.E.C.				105-76	8-00	113-76
3	B.H.P.V.				3.99	0-30	4 · 29
3	T.S.L.				2.40	o- 30	2.70
4,	B.P.C.L.	,		• •	Not in Predu.	0.32	6.32
5	Jessops		•*•		14-65	4-32	18-97
6	Grosham & Cravoa			•••	1.51	0.22	1.73
7	Braithwaites				$12 \cdot 26$	<b>5</b> •12	17-38
8	м.1.с.1.		••	• •	0·93	0.28	1.21
		3	OTAL		141.50	18.86	160.3

## (Rs.in crores)

a. matter of urgent Public importance

#### (c) A statement is attached.

(d) A number of steps have been taken to achieve greater utilisation of capacity in the heavy engineering units under the con trol of this Ministry. These include reor ganisation and professionalisation of the management of the units, standardisation of equipment manufactured by the units, ra tionalisation and diversification of the pro duct-mix strengthening of design capabilities, better control of inventory levels enabling interplant transfer of scarce raw-materials for optimum utilisation, and greater emp hasis on preventive maintenance in the plants. Detailed studies were also taken up at the plant level to identify production bottlenecks. As a result of these studies, programmes have been undertaken to add certain balancing facilities in the different units. These programmes have been incor porated in the Fifth Five Year Plan and are aimed at giving additional output at

L'BN'l'tR^-i

minimum cost and in the quickest possible time. The Ministry has also set up an information system to enable quick decisions being taken to regard to (i) allocation of resources; (ii) operational plans and schedules; (iii) monitoring of progress on new projects & continuing schemes analysis of the information (iv) evaluation & feed back to exercise the functions of (a) control and ib) planning through monthly and quarterly reports.

Some of the units like Jessops. Braith-waites and Grfesham & Craven have been taken over by Government only in the recent past at they were sick units, and it will take some time to build up their production to the desired level. MTCI have started production in April, 1970 while BPCL have just started commercial production this year. The gestation period of the heavy engineering unit\* is also long.

# 99 Written Answers

There has been a significant increase in production of these units during 1973-74 as

compared to that in 1972-73, as indicated in the table below:

(Rs. in crores)

						PRODUCTI	IONS	
-		Un	űt			1972-73	1973-74	% age growth
H.E.C.	0.00					49.00	62 • 42	27
B.H.P.V.				1.1.1	80	4.60	8.82	92
T.S.L.	1.7.7		**		24	2.80	4-50	61
B.P.C.L.	**		89	44	14	Not in produ	0.67	22
Jessops	14	14.1	1.1	100		16-20	24.03	48
Gresham &	Cover			1414	a.a.)	0.84	1-05	26
Braithwia	e.	33	÷00	2.0	06342	8.90	11-05	24
M. T. C. I		1.0	(+)+)		+7+1	1-10	1 - 51	37

During 1974-75 a substantially higher level of production target has been fixed. However, increased utilisation of capacity of the heavy engineering units will, to a great extent, depend upon timely inflow of orders in consonance with their profile of manufacture introduction of the desired standardisation, timely availability of rawmaterials particularly steel consistent availability of wagons for transport and power, and stable and harmonious labour relations.

### Statement

## MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

## PUBLIC SECTOR UNITS

## Licensed Capacity

šerial No.	Uhit		Annual capacity in terms of physical output	%age utilisation of capacity in physical terms
	, in the second s			in 1973-74 (average)
t	Heavy Engineering Carp reation Heavy Machine Bailding Plant			
	Heavy Machine Building Plant (structural)		20.000 MT	48.8
	Heavy Machine Building Plant (Mechanical)		64.000 MT	51 . 2
	Foundary Forge Plant Heavy Machine Tool <b>Pla</b> nt		68,400 MT	46.5
	Heavy Machine T ofs		96 M/C	37-7
2	Bhreat Heavy Plate & Vessels Ltd.			
	- Heavy Plate & Vessels	÷.	24,000 MT	44.5
3	Triveni Structurals Lld.			
	Craues, Structural Fabrication etc.	1. H.S	17.000 MT	75.8

Seri 1 No.	Uait					Annual capacity in terms of physical output	%age utilisation of capacity in physical terms in
							1973-74 (average)
1.0794							
- 4	Bharat Pamps Compressors	Ltd.	•••	••			
t 58	D				• ·	660 Nes. ]	
	Reciprocating compresso	rs	•••	,	••	65 Nos. 60 Nos.	Not yet in production.
	Cylinders			• •		100,000.Nes. ]	prosperiou.
5	Jessop de Co. Lid.						
-	Semanation of I	•				8,000 MT	35-4
	Pead Bulling		•	·		480 Nos.	222.7
	Causes					3,500 MT	76.6
	Pailway Warma					2.100	42.0
						4 wheelers	42.0
	M.G. Claches	•		••		300 Nas.	21.3
	EMU Coaches	•	••		, .	36-3 CU	50-0
6	Greshum & Craven						
1.	Railway Eqpt. & Wagon	Campo	114-11-6-5			11,340 Nos.	
	i i i i i i i i i i i i i i i i i i i	compo		••	••	11,040 1008.	18-1
7	Braithwaite & Co. Clive Works						
	Harry Steel Structural F	abricati	01		•••	16,000 MT	19.5
	Pressed Steel Tank Plate	**		• •		25,000 Nos.	40.8
	Railway Wagons .		··	•••		3,500 4 Wheelers	65.0
e.	Augus Works						
	Foundry, Forge & Machin	ne Shop		÷.,	• •	1,000 MT	163-8
415	Road Rollers		• •	۰.	• ·	200 Nos.	32-2
63.02	Jute Card, Boll Farners	& Feedo	C8			170 Noa.	100-0
				• •		120 Nos.	
			-	· · · ·	, -		
8	Mashine Tool Corporation of	India					
	Machine Tools & Metal V	Vorling	Machin	ery		170 Not.	73.8